वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर उत्तर प्रदेश



समाचार पत्रों में प्रकाशित ख़बरें

दिनांकः 24 सितम्बर 2026

प्रस्तुतिः मीडिया सेल

अवधनामा

CMYK

नपुरी

अवधनामा

ल

शिक्षा ही राष्ट्र का असली सशक्तिकरणः प्रो. आर.के. सिंह

- अपोलो पाइप्स लिमिटेड की सीएसआर ने की पहल
- प्रेरणा पाठशाला के 64 बच्चों को मिले शैक्षणिक किट और चाकलेट



अवधनामा संवाददाता

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा ग्राम देवकली में 12 वर्षों से निरंतर संचालित 'निःशुल्क प्रेरणा पाठशाला' के 64 मेधावी छात्र-छात्राओं को बुधवार को अपोलो पाइप्स लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत शैक्षणिक किट और चाकलेट वितरित की गई। विश्वविद्यालय परिसर स्थित उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान के स्मार्ट क्लास में बुधवार को आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा वह आधारशिला है जो न केवल व्यक्ति का बल्कि पूरे राष्ट्र का भविष्य उज्ज्वल बनाती है। उन्होंने कहा कि जब समाज के वंचित वर्ग के बच्चे शिक्षा के दीये से जुड़ते हैं, तो केवल एक परिवार नहीं, बल्कि पूरा समाज प्रकाशमान होता है। प्रेरणा पाठशाला इसी दीपोत्सव का प्रतीक है। बच्चों के विकास के लिए निरंतर प्रयास होने चाहिए ताकि उनका समग्र विकास हो सके। कार्यक्रम के दौरान कुलपति के हाथों स्कूल बैग, पानी की बोतल, पेंसिल किट एवं बिस्कुट पाकर बच्चों में उत्साह दिखा। किट में चाकलेट न होने पर के लिए कुलपति जी ने चाकलेट मंगाकर बच्चों में वितरित किया, इससे बच्चों के चेहरे पर तुरंत मुस्कराहट आ गई। बताते चले की कार्यक्रम के संयोजक एवं प्रेरणा पाठशाला के संस्थापक-संचालक प्रो. राज कुमार (विभागाध्यक्ष, गणित विभाग) के अथक प्रयासों को इस अवसर पर विशेष रूप से सराहा गया।प्रो. राज कुमार ने कोचिंग की गतिविधियों एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विश्वविद्यालय से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'प्रेरणा कोचिंग' का संचालन किया जा रहा है। कार्यक्रम में अपोलो पाइप्स लिमिटेड के डिप्टी रीजनल सेल्स मैनेजर (सेल्स एवं विपणन) शशिभूषण सिंह ने कहा कि कंपनी अपनी सीएसआर की गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा और सामाजिक विकास से जुड़े कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करती रही है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराना उनके शैक्षणिक सफर को सुगम बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल है। गौरतलब है कि वर्ष 2014 से विश्वविद्यालय से सटे देवकली गांव में 'प्रेरणा कोचिंग' का संचालन किया जा रहा है। संचालन डॉ. इंद्रेश कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. सौरभपाल. डॉ. नृपेंद्र सिंह, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, प्रशांत कुमार, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य समेत कई शिक्षक उपस्थित थे।

जौनपुर धारा

अपना-जौनपुर

शिक्षा ही राष्ट्र के सशक्तिकरण की आधारशिला : प्रो.आर.के.सिंह

अपोलो पाइप्स की सीएसआर पहल से प्रेरणा पाठशाला के 64 बच्चों को मिली शैक्षणिक सामग्री

जौनपुर धारा

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की ओर से देवकली गांव में संचालित निःशुल्क प्रेरणा पाठशाला के 64छात्र-छात्राओं को बुधवार को शैक्षणिक किट वितरित की गई। अपोलो पाइप्स लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व पहल के तहत आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को स्कूल बैग, पानी की बोतल, पेंसिल किट और बिस्कुट दिए गए।



विश्वविद्यालय परिसर स्थित उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान के स्मार्ट क्लास में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो.राकेश कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के साथ-साथ राष्ट्र के भविष्य को मजबूत करने का आधार है। समाज के वंचित वर्ग के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने से उनके परिवार के साथ पूरे समाज का विकास होता है। उन्होंने कहा कि बच्चों के समग्र विकास के लिए ऐसे प्रयास निरंतर जारी रहने चाहिए। कार्यक्रम के दौरान शैक्षणिक किट प्राप्त कर बच्चों में उत्साह दिखाई दिया। किट में चाकलेट नहीं होने की जानकारी मिलने पर कुलपति ने तत्काल चाकलेट मंगाकर बच्चों में वितरित की। चाकलेट मिलने पर बच्चों के चेहरे पर खुशी नजर आई।

कार्यक्रम संयोजक एवं प्रेरणा पाठशाला के संस्थापक-संचालक तथा गणित विभागाध्यक्ष प्रो. राज कुमार ने पाठशाला की गतिविधियों और उद्देश्य की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से वर्ष 2014 से देवकली गांव में प्रेरणा कोचिंग का संचालन किया जा रहा है। अपोलो पाइप्स लिमिटेड के डिप्टी रीजनल सेल्स मैनेजर (सेल्स एवं मार्केटिंग) शशिभूषण सिंह ने कहा कि कंपनी की सीएसआर गतिविधियों में शिक्षा और सामाजिक विकास से जुड़े कार्यक्रमों को प्रोत्साहित किया जाता है।

जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराने से उनके अध्ययन में सहायता मिलती है और यह उनके शैक्षणिक सफर को सुगम बनाने की दिशा में उपयोगी पहल है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. इंद्रेश कुमार ने किया। इस दौरान प्रो. सौरभ पाल, डॉ. नृपेंद्र सिंह, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, प्रशांत कुमार, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य समेत विश्वविद्यालय के कई शिक्षक उपस्थित रहे।

उम्मीद ऑफ पब्लिक

हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र

जौनपुर (उ.प्र.) से प्रकाशित

वर्ष 01, अंक 287
जौनपुर, गुरूवार
24 सितम्बर, 2026
पृष्ठ 4, मूल्य 1 रूपया

उम्मीद ऑफ पब्लिक

www.ummidofpublic.com

PRGI Reg. No.: UPHIN/25/A4413



पेज : 2 ट्रंप का मीडिया से महायुद्ध!

20 दिन में मिलेगा पानी, बदौसा में 5 दिवसीय अनशन खत्म पेज : 3

शिक्षा ही राष्ट्र का असली सशक्तिकरण: कुलपति

अपोलो पाइप्स लिमिटेड की सीएसआर ने की पहल

प्रेरणा पाठशाला के 64 बच्चों को मिले शैक्षणिक किट एवं चॉकलेट

उम्मीद ऑफ पब्लिक ब्यूरो

जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने क्षेत्र के ग्राम देवकली में 12 वर्षों से निरंतर संचालित 'निःशुल्क प्रेरणा पाठशाला' के 64 मेधावी छात्र-छात्राओं को बुधवार को अपोलो पाइप्स लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत शैक्षणिक किट और चाकलेट वितरित किया।

पूर्विवि परिसर स्थित इंजीनियरिंग संस्थान के स्मार्ट क्लास में बुधवार को आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कुलपति प्रो. राकेश सिंह ने कहा कि शिक्षा वह आधारशिला है जो न केवल



व्यक्ति का, बल्कि पूरे राष्ट्र का भविष्य उज्ज्वल बनाती है। जब समाज के वंचित वर्ग के बच्चे शिक्षा के दीये से जुड़ते हैं तो केवल एक परिवार नहीं, बल्कि पूरा समाज प्रकाशमान होता है। प्रेरणा पाठशाला इसी दीपोत्सव का प्रतीक है। बच्चों के विकास के लिये निरंतर प्रयास होने चाहिए ताकि उनका समग्र विकास हो सके।

इस दौरान कुलपति के हाथों स्कूल बैग, पानी की बोतल, पेंसिल किट एवं बिस्कुट पाकर बच्चों में उत्साह दिखा। किट में चॉकलेट न होने पर के लिए कुलपति जी ने चाकलेट मंगाकर बच्चों में वितरित किया जिससे बच्चों के चेहरे पर तुरंत मुस्कुराहट आ गई। बताते चलें कि कार्यक्रम संयोजक एवं प्रेरणा पाठशाला के संस्थापक-संचालक प्रो. राजकुमार (विभागाध्यक्ष गणित विभाग) के अथक प्रयासों को विशेष रूप से सराहा गया। प्रो. राजकुमार ने कोचिंग की गतिविधियों एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुये बताया कि विश्वविद्यालय से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमन्द बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'प्रेरणा कोचिंग' का संचालन किया जा रहा है।

कार्यक्रम में अपोलो पाइप्स लिमिटेड के डिप्टी रीजनल सेल्स मैनेजर (सेल्स एवं विपणन) शशिभूषण सिंह ने कहा कि कम्पनी अपनी सीएसआर की गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा और सामाजिक विकास से जुड़े कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करती रही है। जरूरतमन्द विद्यार्थियों को शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराना उनके शैक्षणिक सफर को सुगम बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल है। गौरतलब है कि वर्ष 2014 से विश्वविद्यालय से सटे देवकली गांव में 'प्रेरणा कोचिंग' का संचालन किया जा रहा है। संचालन डॉ. इद्रेश कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. सौरभ पाल, डॉ. नृपेंद्र सिंह, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, प्रशांत कुमार, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य समेत तमाम लोग उपस्थित थे।

अमर उजाला

उन्होंने एलएलबी प्रथम वर्ष किया।

शिक्षा ही राष्ट्र के सशक्तीकरण का आधार : कुलपति

संवाद न्यूज एजेंसी

मल्हनी। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की ओर से ग्राम देवकली में संचालित निशुल्क प्रेरणा पाठशाला के 64 मेधावी छात्र-छात्राओं को बुधवार को अपोलो पाइप्स लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत शैक्षणिक सामग्री वितरित की गई।

विश्वविद्यालय परिसर स्थित उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान के स्मार्ट क्लास में आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को स्कूल बैग, पानी की बोतल, पेंसिल किट और बिस्किट प्रदान किए गए। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा वह आधारशिला है, जो न केवल व्यक्ति बल्कि पूरे राष्ट्र के भविष्य को उज्ज्वल बनाती है।

समाज के वंचित वर्ग के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने का प्रयास केवल एक परिवार नहीं, बल्कि पूरे समाज को सशक्त बनाता है।

प्रेरणा पाठशाला शिक्षा के माध्यम से सामाजिक बदलाव का उदाहरण है। कार्यक्रम के संयोजक एवं प्रेरणा पाठशाला के संस्थापक प्रो. राज कुमार विभागाध्यक्ष गणित के प्रयासों की सराहना की।

उन्होंने पाठशाला की गतिविधियों और उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि विश्वविद्यालय से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और निशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से साल 2014 से प्रेरणा कोचिंग का संचालन किया जा रहा है।

अपोलो पाइप्स लिमिटेड के डिप्टी रीजनल सेल्स मैनेजर शशिभूषण सिंह ने कहा कि कंपनी अपनी सीएसआर गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा और सामाजिक विकास से जुड़े कार्यक्रमों को लगातार प्रोत्साहित कर रही है। जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षणिक सामग्री उपलब्ध कराना उनके शिक्षा के सफर को आसान बनाने की दिशा में सार्थक पहल है।

इस अवसर पर प्रो. सौरभ पाल, डॉ. नृपेंद्र सिंह, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, प्रशांत कुमार, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य उपस्थित रहे। संचालन डॉ. इंद्रेश कुमार ने किया।

दैनिक जागरण

विश्वविद्यालय में शिक्षकों को छह माह का मिला लक्ष्य, दिखाना होगा काम

- शोध, प्रकाशन, पेटेंट और नए प्रोजेक्ट्स के लिए विस्तृत कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश
- लैब सुधार व संसाधनों की उपलब्धता पर जोर छात्रों को मिलेगी बेहतर प्रयोगात्मक सुविधा

जागरण संवाददाता, मल्हनी (जौनपुर): वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय में अब प्रत्येक विभाग के शिक्षकों को जरूरत व विशेषज्ञता के अनुसार स्पष्ट लक्ष्य तय कर काम करना होगा। कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने सभी विभागाध्यक्षों और शिक्षकों से तीन से छह माह की कार्ययोजना तैयार करने को कहा है। इसमें विभाग की शैक्षणिक गुणवत्ता, शोध, प्रकाशन, पेटेंट, परियोजनाओं और प्रयोगशालाओं के विकास को प्राथमिकता देने के साथ यह भी बताना होगा कि निर्धारित लक्ष्यों को पूरा करने में विश्वविद्यालय प्रशासन से किस सहयोग की आवश्यकता है।

विभागों को शोध कार्यों को बढ़ाने के साथ गुणवत्तापूर्ण शोधपत्रों के प्रकाशन और पेटेंट की दिशा में काम करने का लक्ष्य दिया गया है। प्रत्येक विभाग को नए शोध प्रोजेक्ट लाने के लिए भी प्रयास करना होगा। शिक्षकों से कहा गया है कि वे अपनी विशेषज्ञता और विभाग की क्षमता के अनुरूप ऐसी परियोजनाओं पर काम करें, जिनसे विद्यार्थियों को शोध का व्यावहारिक अवसर मिल सके और विभाग की अकादमिक पहचान मजबूत हो। प्रयोगशालाओं को भी कार्ययोजना का महत्वपूर्ण हिस्सा बनाया गया है। जहां लैब में सुधार की आवश्यकता है, वहां आवश्यक मरम्मत और सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। केवल नई लैब बनाने के बजाय पहले से उपलब्ध प्रयोगशालाओं को उपयोगी और संसाधनयुक्त बनाने पर जोर रहेगा। तीन माह में पूरे किए जा सकने वाले कार्यों को प्राथमिकता के साथ तय किया जाएगा, जबकि छह माह में पूरे होने वाले कार्यों के लिए विस्तृत लक्ष्य निर्धारित होंगे। प्रत्येक विभाग को यह भी बताना होगा कि उसके लक्ष्य की दिशा में अब तक क्या स्थिति है और आगे क्या किया जाना है। प्रशासन आवश्यक संसाधन, तकनीकी सुविधा, उपकरण पर काम करेगा।

> हर विभाग अपनी विशेषज्ञता के अनुसार शोध, गुणवत्तापूर्ण प्रकाशन, पेटेंट और नए प्रोजेक्ट पर ठोस काम करे। हमारा उद्देश्य है कि विद्यार्थियों को पढ़ाई, प्रयोग और शोध में किसी प्रकार की कमी न हो तथा शिक्षकों को अपनी क्षमता के अनुरूप परिणाम देने का पूरा अवसर मिले।
>
> **-प्रो. राकेश कुमार सिंह,** कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय।

दैनिक जागरण

www.jagran.com

शिक्षा से ही गढ़ेगा राष्ट्र का मजबूत भविष्य

जासं, मल्हनी: शिक्षा व्यक्ति के जीवन को नई दिशा देने के साथ राष्ट्र के भविष्य को मजबूत करती है। समाज के जरूरतमंद बच्चों को शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराकर उनके जीवन में स्थायी बदलाव लाया जा सकता है। यह बातें वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने बुधवार को विश्वविद्यालय परिसर स्थित उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान के स्मार्ट क्लास में आयोजित कार्यक्रम में कहीं। विश्वविद्यालय की ओर से ग्राम देवकली में 12 वर्षों से संचालित निश्शुल्क प्रेरणा पाठशाला के 64 मेधावी छात्र-छात्राओं को अपोलो पाइप्स लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत शैक्षणिक किट वितरित की गई। कुलपति ने बच्चों को स्कूल बैग, पानी की बोतल, पेंसिल किट और बिस्कुट दिए। किट में चाकलेट नहीं होने की जानकारी पर उन्होंने तत्काल चाकलेट मंगवाकर बच्चों को वितरित कराई। चाकलेट पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे।

उत्तर शक्ति

वाराणसी/आजमगढ़/सोनभद्र (उत्तर प्रदेश) मुंबई, 24 सितम्बर 2026 4

शिक्षा ही राष्ट्र का असली सशक्तिकरण: प्रो.आर.के. सिंह

प्रेरणा पाठशाला के 64 बच्चों को मिले शैक्षणिक किट और चाकलेट

अपोलो पाइप्स लिमिटेड की सीएसआर ने की पहल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा ग्राम देवकली में 12 वर्षों से निरंतर संचालित 'निःशुल्क प्रेरणा पाठशाला' के 64 मेधावी छात्र-छात्राओं को बुधवार को अपोलो पाइप्स लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत शैक्षणिक किट और चाकलेट वितरित की गईं।

विश्वविद्यालय परिसर स्थित उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान के स्मार्ट क्लास में बुधवार को आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा वह आधारशिला है जो न केवल व्यक्ति का बल्कि पूरे राष्ट्र का भविष्य उज्ज्वल बनाती है। उन्होंने कहा कि जब समाज के वंचित वर्ग के बच्चे शिक्षा के दीये से जुड़ते हैं, तो केवल एक परिवार नहीं, बल्कि पूरा समाज प्रकाशमान होता है। प्रेरणा पाठशाला इसी दीपोत्सव का प्रतीक है। बच्चों के विकास के लिए निरंतर प्रयास होने चाहिए ताकि उनका समग्र विकास हो सके।

कार्यक्रम के दौरान कुलपति के हाथों स्कूल बैग, पानी की बोतल, पेंसिल किट एवं बिस्कुट पाकर बच्चों में उत्साह दिखा। किट में चाकलेट न होने पर के लिए कुलपति जी ने चाकलेट मंगाकर बच्चों में वितरित किया, इससे बच्चों के चेहरे पर तुरंत मुस्कराहट आ गई।

बताते चले की कार्यक्रम के संयोजक एवं प्रेरणा पाठशाला के



संस्थापक-संचालक प्रो. राज कुमार (विभागाध्यक्ष, गणित विभाग) के अथक प्रयासों को इस अवसर पर विशेष रूप से सराहा गया।प्रो. राज कुमार ने कोचिंग की गतिविधियों एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विश्वविद्यालय से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'प्रेरणा कोचिंग' का संचालन किया जा रहा है।

कार्यक्रम में अपोलो पाइप्स लिमिटेड के डिप्टी रीजनल सेल्स मैनेजर (सेल्स एवं विपणन) शशिभूषण सिंह ने कहा कि कंपनी अपनी सीएसआर की गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा और सामाजिक विकास से जुड़े कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करती रही है।

उन्होंने कहा कि जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराना उनके शैक्षणिक सफर को सुगम बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल है। गौरतलब है कि वर्ष 2014 से विश्वविद्यालय से सटे देवकली गांव में 'प्रेरणा कोचिंग' का संचालन किया जा रहा है। संचालन डॉ. ईद्रेश कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. सौरभपाल, डॉ. नृपेंद्र सिंह, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, प्रशांत कुमार, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य समेत कई शिक्षक उपस्थित थे।

अमन की शान

शिक्षा ही राष्ट्र का असली सशक्तिकरण : प्रो. आर. के. सिंह

अमन की शान

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा ग्राम देवकली में 12 वर्षों से निरंतर संचालित 'निःशुल्क प्रेरणा पाठशाला' के 64 मेधावी छात्र-छात्राओं को बुधवार को अपोलो पाइप्स लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत शैक्षणिक किट और चाकलेट वितरित की गईं।



विश्वविद्यालय परिसर स्थित उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान के स्मार्ट क्लास में बुधवार को आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा वह आधारशिला है जो न केवल व्यक्ति का बल्कि पूरे राष्ट्र का भविष्य उज्ज्वल बनाती है। उन्होंने कहा कि जब समाज के वंचित वर्ग के बच्चे शिक्षा के दीये से जुड़ते हैं, तो केवल एक परिवार नहीं, बल्कि पूरा समाज प्रकाशमान होता है। प्रेरणा पाठशाला इसी दीपोत्सव का प्रतीक है। बच्चों के विकास के लिए निरंतर प्रयास होने चाहिए ताकि उनका समग्र विकास हो सके। कार्यक्रम के दौरान कुलपति के हाथों स्कूल बैग, पानी की बोतल, पेंसिल किट एवं बिस्कुट पाकर बच्चों में उत्साह दिखा। किट में चाकलेट न होने पर के लिए कुलपति जी ने चाकलेट मंगाकर बच्चों में वितरित किया, इससे बच्चों के चेहरे पर तुरंत मुस्कराहट आ गई। बताते चले की कार्यक्रम के संयोजक एवं प्रेरणा पाठशाला के संस्थापक-संचालक प्रो. राज कुमार (विभागाध्यक्ष, गणित विभाग) के अथक प्रयासों को इस अवसर पर विशेष रूप से सराहा गया।

प्रो. राज कुमार ने कोचिंग की गतिविधियों एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विश्वविद्यालय से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'प्रेरणा कोचिंग' का संचालन किया जा रहा है। कार्यक्रम में अपोलो पाइप्स लिमिटेड के डिप्टी रीजनल सेल्स मैनेजर (सेल्स एवं विपणन) शशिभूषण सिंह ने कहा कि कंपनी अपनी सीएसआर की गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा और सामाजिक विकास से जुड़े कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करती रही है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराना उनके शैक्षणिक सफर को सुगम बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल है। गौरतलब है कि वर्ष 2014 से विश्वविद्यालय से सटे देवकली गांव में 'प्रेरणा कोचिंग' का संचालन किया जा रहा है। संचालन डॉ. इंद्रेश कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. सौरभपाल, डॉ. नृपेंद्र सिंह, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, प्रशांत कुमार, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य समेत कई शिक्षक उपस्थित थे।

दी आइडियल इंडिया

शिक्षा ही राष्ट्र का असली सशक्तिकरण : प्रो. आर. के. सिंह

अपोलो पाइप्स लिमिटेड की सीएसआर ने की पहल

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर द्वारा ग्राम देवकली में 12 वर्षों से निरंतर संचालित 'निःशुल्क प्रेरणा पाठशाला' के 64 मेधावी छात्र-छात्राओं को बुधवार को अपोलो पाइप्स लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत शैक्षणिक किट और चाकलेट वितरित की गईं। विश्वविद्यालय परिसर स्थित उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान के स्मार्ट क्लास में बुधवार को आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित



कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा वह आधारशिला है जो न केवल व्यक्ति का बल्कि पूरे राष्ट्र का भविष्य उज्ज्वल बनाती है। उन्होंने कहा कि जब समाज के वंचित वर्ग के बच्चे शिक्षा के दीये से जुड़ते हैं, तो केवल एक परिवार नहीं, बल्कि पूरा समाज प्रकाशमान होता है। प्रेरणा पाठशाला इसी दीपोत्सव का प्रतीक है। बच्चों के विकास के लिए निरंतर प्रयास होने चाहिए ताकि उनका समग्र विकास हो सके। कार्यक्रम के दौरान कुलपति के हाथों स्कूल बैग, पानी की बोतल, पेंसिल किट एवं बिस्कुट पाकर बच्चों में उत्साह दिखा। किट में चाकलेट न होने पर के लिए कुलपति जी ने चाकलेट मंगाकर बच्चों में वितरित किया, इससे बच्चों के चेहरे पर तुरंत मुस्कराहट आ गई। बताते चले की कार्यक्रम के संयोजक एवं प्रेरणा पाठशाला के संस्थापक-संचालक प्रो. राज कुमार (विभागाध्यक्ष, गणित विभाग) के अथक प्रयासों को इस अवसर पर विशेष रूप से सराहा गया।प्रो. राज कुमार ने कोचिंग की गतिविधियों एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विश्वविद्यालय से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'प्रेरणा कोचिंग' का संचालन किया जा रहा है। कार्यक्रम में अपोलो पाइप्स लिमिटेड के डिप्टी रीजनल सेल्स मैनेजर (सेल्स एवं विपणन) शशिभूषण सिंह ने कहा कि कंपनी अपनी सीएसआर की गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा और सामाजिक विकास से जुड़े कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करती रही है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराना उनके शैक्षणिक सफर को सुगम बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल है। गौरतलब है कि वर्ष 2014 से विश्वविद्यालय से सटे देवकली गांव में 'प्रेरणा कोचिंग' का संचालन किया जा रहा है। संचालन डॉ. ईद्रेश कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. सौरभपाल. डॉ. नृपेंद्र सिंह, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, प्रशांत कुमार, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य समेत कई शिक्षक उपस्थित थे।

तेजस टुडे

शिक्षा ही राष्ट्र का असली सशक्तिकरण: कुलपति

प्रेरणा पाठशाला के 64 बच्चों को मिले शैक्षणिक किट एवं चॉकलेट

पहल

अपोलो पाइप्स लिमिटेड की सीएसआर ने की पहल

तेजस टूडे ब्यूरो
शुभांशू जायसवाल/विरेन्द्र यादव



जौनपुर। पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने क्षेत्र के ग्राम देवकली में 12 वर्षों से निरन्तर संचालित 'निःशुल्क प्रेरणा पाठशाला' के 64 मेधावी छात्र-छात्राओं को बुधवार को अपोलो पाइप्स लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत शैक्षणिक किट और चाकलेट वितरित किया।

पूर्विवि परिसर स्थित इंजीनियरिंग संस्थान के स्मार्ट क्लास में बुधवार को आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कुलपति प्रो. राकेश सिंह ने कहा कि शिक्षा वह आधारशिला है जो न केवल व्यक्ति का, बल्कि पूरे राष्ट्र का भविष्य उज्ज्वल बनाती है। जब समाज के वंचित वर्ग के बच्चे शिक्षा के दीये से जुड़ते हैं तो केवल एक परिवार नहीं, बल्कि पूरा समाज प्रकाशमान होता है। प्रेरणा पाठशाला इसी दीपोत्सव का प्रतीक है। बच्चों के विकास के लिये निरंतर प्रयास होने चाहिए ताकि उनका समग्र विकास हो सके।

इस दौरान कुलपति के हाथों स्कूल बैग, पानी की बोतल, पेंसिल किट एवं बिस्कुट पाकर बच्चों में उत्साह दिखा। किट में चॉकलेट न होने पर के लिए कुलपति जी ने चाकलेट मंगाकर बच्चों में वितरित किया जिससे बच्चों के चेहरे पर तुरंत मुस्कुराहट आ गई। बताते चलें कि कार्यक्रम संयोजक एवं प्रेरणा पाठशाला के संस्थापक-संचालक प्रो. राजकुमार (विभागाध्यक्ष गणित विभाग) के अथक प्रयासों को विशेष रूप से सराहा गया। प्रो. राजकुमार ने कोचिंग की गतिविधियों एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुये बताया कि विश्वविद्यालय से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमन्द बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'प्रेरणा कोचिंग' का संचालन किया जा रहा है।

कार्यक्रम में अपोलो पाइप्स लिमिटेड के डिप्टी रीजनल सेल्स मैनेजर (सेल्स एवं विपणन) शशिभूषण सिंह ने कहा कि कम्पनी अपनी सीएसआर की गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा और सामाजिक विकास से जुड़े कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करती रही है। जरूरतमन्द विद्यार्थियों को शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराना उनके शैक्षणिक सफर को सुगम बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल है। गौरतलब है कि वर्ष 2014 से विश्वविद्यालय से सटे देवकली गांव में 'प्रेरणा कोचिंग' का संचालन किया जा रहा है। संचालन डॉ. ईद्रेश कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. सौरभ पाल, डॉ. नृपेंद्र सिंह, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, प्रशांत कुमार, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य समेत तमाम लोग उपस्थित थे।

NIP

SDAY, 24 SEPTEMBER 2026
JAUNPUR 07

News in Brief

Education Will Empower the Nation: Vice-Chancellor

Jaunpur: Educational kits and chocolates were distributed on Wednesday to 64 meritorious students of the Nishulk Prerna Pathshala, which has been continuously run by Veer Bahadur Singh Purvanchal University in Devkali village for the past 12 years. The kits



were distributed under the Corporate Social Responsibility (CSR) initiative of Apollo Pipes Limited.

The programme was organised at the Smart Class of Umanath Singh Institute of Engineering on the university campus. Vice-Chancellor Prof. Rakesh Kumar Singh, who attended the programme as the chief guest, said that education is the foundation that brightens not only an individual's future but also that of the entire nation. He said that a strong nation can be built through education. When children from disadvantaged sections of society gain access to education, it does not illuminate just one family but the entire community. He described Prerna Pathshala as a symbol of this effort and emphasised the need for continuous initiatives to ensure the holistic development of children.

The children appeared excited after receiving school bags, water bottles, pencil kits and biscuits from the Vice-Chancellor. When it was noticed that chocolates had not been included in the kits, the Vice-Chancellor arranged chocolates for the children, bringing immediate smiles to their faces.

The efforts of programme coordinator and founder-director of Prerna Pathshala, Prof. Raj Kumar, Head of the Department of Mathematics, were particularly appreciated. He explained the activities and objectives of the initiative and said that Prerna Coaching is being run to provide quality and free education to needy children from rural areas associated with the university.

Apollo Pipes Limited Deputy Regional Sales Manager (Sales and Marketing) Shashibhushan Singh was also present. The programme was conducted by Dr. Indresh Kumar. Prof. Saurabh Pal, Dr. Nripendra Singh, Dr. Digvijay Singh Rathore, Dr. Sunil Kumar, Prashant Kumar, Dr. Lakshmi Prasad Maurya and several other teachers were present on the occasion.

तरुण मित्र

शिक्षा ही राष्ट्र का असली सशक्तिकरण : प्रो. आर. के. सिंह

प्रेरणा पाठशाला के 64 बच्चों को मिले शैक्षणिक किट और चॉकलेट

तरूणमित्र न्यूज

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा ग्राम देवकली में 12 वर्षों से निरंतर संचालित नि:शुल्क प्रेरणा पाठशाला के 64 मेधावी छात्र-छात्राओं को बुधवार को अपोलो पाइप्स लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत शैक्षणिक किट और चाकलेट वितरित की गईं।

विश्वविद्यालय परिसर स्थित उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान के स्मार्ट क्लास में बुधवार को आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा वह आधारशिला है जो न केवल व्यक्ति का बल्कि पूरे राष्ट्र का भविष्य उज्ज्वल बनाती है। उन्होंने कहा कि जब समाज के वंचित वर्ग के बच्चे शिक्षा के दीये से जुड़ते हैं, तो केवल एक परिवार नहीं, बल्कि पूरा समाज प्रकाशमान होता है। प्रेरणा पाठशाला इसी दीपोत्सव का प्रतीक है। बच्चों के विकास के लिए निरंतर प्रयास होने चाहिए ताकि उनका समग्र विकास हो सके।

कार्यक्रम के दौरान कुलपति के हाथों स्कूल बैग, पानी की बोतल, पेंसिल किट एवं बिस्कुट पाकर बच्चों में उत्साह दिखा। किट में चॉकलेट न होने पर के लिए कुलपति जी ने चाकलेट मंगाकर बच्चों में वितरित किया, इससे बच्चों के चेहरे पर तुरंत मुस्कुराहट आ गई।

बताते चले की कार्यक्रम के संयोजक एवं प्रेरणा पाठशाला के संस्थापक-संचालक प्रो. राज कुमार (विभागाध्यक्ष, गणित विभाग) के अथक प्रयासों को इस अवसर पर विशेष रूप से सराहा गया। प्रो. राज कुमार ने कोचिंग की गतिविधियों एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विश्वविद्यालय से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं नि:शुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से प्रेरणा कोचिंग का संचालन किया जा रहा है।

कार्यक्रम में अपोलो पाइप्स लिमिटेड के डिप्टी रीजनल सेल्स मैनेजर (सेल्स एवं विपणन) शशिभूषण सिंह ने कहा कि कंपनी अपनी सीएसआर की गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा और सामाजिक विकास से जुड़े कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करती रही है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराना उनके शैक्षणिक सफर को सुगम बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल है।

हाई वोल्ट की लाइन से कभी भी हो सकता है बड़ा हादसा

तरूणमित्र न्यूज

जौनपुर। जनपद के विकासखंड बक्सा के अंतर्गत नौपेड़वा बाजार में मई मोड रोड पर संकल्प इलेक्ट्रॉनिक के सामने से गुजरी 11000 वोल्ट की लाइन

11 नवंबर को निकलेगी शोभायात्रा

तरूणमित्र न्यूज

जौनपुर। श्री चित्रगुप्त धर्मशाला में मंगलवार रात हुई बैठक में भगवान चित्रगुप्त शोभायात्रा निकालने का फैसला लिया गया। यह शोभायात्रा 11 नवंबर को धूमधाम से निकाली जाएगी। बैठक में कायस्थ समाज के कई संगठनों के पदाधिकारी मौजूद रहे। सभी उपस्थित लोगों ने 11 नवंबर को शोभायात्रा को सफल बनाने का संकल्प लिया। चित्रगुप्त धर्मशाला के अध्यक्ष रमेंद्र नाथ श्रीवास्तव एडवोकेट, कायस्थ महासभा जौनपुर के जिलाध्यक्ष मनोज श्रीवास्तव एडवोकेट और प्रबंधक आनंद शंकर श्रीवास्तव ने बताया कि 11 नवंबर को भगवान चित्रगुप्त पूजनोत्सव के दिन रूहटा स्थित मंदिर और धर्मशाला में भव्य सजावट की जाएगी।

उदय उत्तर

शिक्षा ही राष्ट्र के सशक्तीकरण का आधार : प्रो. आरके सिंह



जौनपुर / उदय उत्तर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की ओर से ग्राम देवकली में 12 वर्षों से संचालित निःशुल्क प्रेरणा पाठशाला के 64 मेधावी छात्र-छात्राओं को बुधवार को शैक्षणिक किट और चॉकलेट वितरित की गई। यह पहल अपोलो पाइप्स लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) गतिविधि के तहत की गई।

विश्वविद्यालय परिसर स्थित उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान के स्मार्ट क्लास में आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा व्यक्ति के साथ राष्ट्र के भविष्य को भी मजबूत बनाती है। वंचित वर्ग के बच्चों को शिक्षा से जोड़ने पर पूरे समाज का विकास होता है। उन्होंने कहा कि बच्चों के समग्र विकास के लिए ऐसे प्रयास लगातार किए जाने चाहिए।

कुलपति ने बच्चों को स्कूल बैग, पानी की बोतल, पेंसिल किट और बिस्कुट वितरित किए। किट में चॉकलेट नहीं होने की जानकारी मिलने पर उन्होंने चॉकलेट मंगाकर बच्चों में वितरित की। चॉकलेट पाकर बच्चों के चेहरे खिल उठे।

प्रेरणा पाठशाला के संस्थापक-संचालक एवं गणित विभागाध्यक्ष प्रो. राज कुमार ने बताया कि वर्ष 2014 से विश्वविद्यालय से सटे देवकली गांव में जरूरतमंद बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से पाठशाला संचालित की जा रही है।

अपोलो पाइप्स लिमिटेड के डिप्टी रीजनल सेल्स मैनेजर शशिभूषण सिंह ने कहा कि कंपनी सीएसआर के माध्यम से शिक्षा और सामाजिक विकास से जुड़े कार्यक्रमों को बढ़ावा दे रही है। कार्यक्रम का संचालन डॉ. इंद्रेश कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. सौरभ पाल, डॉ. नृपेंद्र सिंह, डॉ. दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, प्रशांत कुमार और डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य समेत शिक्षक मौजूद रहे।

जनसंदेश टाइम्स

जनसंदेश टाइम्स वाराणसी, गुरुवार, 24 सितंबर, 2026



नगर में इन दिनों छुट्टा पशुओं की भरमार हो गयी है। जिसकी वजह से आए दिन कोई न कोई बाइक सवार टकराकर घायल हो जाता है। सब कुछ जानते हुए भी सम्बन्धित विभाग कोई कार्रवाई नहीं कर रहा है।

शिक्षा ही राष्ट्र का असली सशक्तिकरण

बोले: प्रो. आरके सिंह

अपोलो पाइप्स लिमिटेड की सीएसआर ने की पहल

प्रेरणा पाठशाला के 64 बच्चों को मिले शैक्षणिक किट व चाकलेट



प्रेरणा कोचिंग पाठशाला के बच्चों के साथ कुलपति प्रो. राकेश सिंह

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय द्वारा ग्राम देवकली में 12 वर्षों से निरंतर संचालित 'निःशुल्क प्रेरणा पाठशाला' के 64 मेधावी छात्र-छात्राओं को बुधवार को अपोलो पाइप्स लिमिटेड की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) पहल के तहत शैक्षणिक किट और चाकलेट वितरित की गईं।

विश्वविद्यालय परिसर स्थित उमानाथ सिंह इंजीनियरिंग संस्थान के स्मार्ट क्लास में बुधवार को आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि शिक्षा वह आधारशिला है जो न केवल व्यक्ति का बल्कि पूरे राष्ट्र का भविष्य उज्ज्वल बनाती है। उन्होंने कहा कि जब समाज के वंचित वर्ग के बच्चे शिक्षा के दीये से जुड़ते हैं तो केवल एक परिवार नहीं, बल्कि पूरा समाज प्रकाशमान होता है। प्रेरणा पाठशाला इसी दीपोत्सव का प्रतीक है। बच्चों के विकास के लिए निरंतर प्रयास होने चाहिए ताकि उनका समग्र विकास हो सके। कार्यक्रम के दौरान कुलपति के हाथों स्कूल बैग, पानी की बोतल, पेंसिल किट एवं बिस्कुट पाकर बच्चों में उत्साह दिखा। किट में चाकलेट न होने पर कुलपति ने चाकलेट मंगाकर बच्चों में वितरित किया। इससे बच्चों के चेहरे पर तुरंत मुस्कराहट आ गई। बताते चले की कार्यक्रम के संयोजक एवं प्रेरणा पाठशाला के संस्थापक-संचालक प्रो. राज कुमार (विभागाध्यक्ष, गणित विभाग) के अथक प्रयासों को इस अवसर पर विशेष रूप से सराहा गया। प्रो. राज कुमार ने कोचिंग की गतिविधियों एवं उद्देश्य पर प्रकाश डालते हुए बताया कि विश्वविद्यालय से जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों के जरूरतमंद बच्चों को गुणवत्तापूर्ण एवं निःशुल्क शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'प्रेरणा कोचिंग' का संचालन किया जा रहा है। कार्यक्रम में अपोलो पाइप्स लिमिटेड के डिप्टी रीजनल सेल्स मैनेजर (सेल्स एवं विपणन) शशिभूषण सिंह ने कहा कि कंपनी अपनी सीएसआर की गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा और सामाजिक विकास से जुड़े कार्यक्रमों को प्रोत्साहित करती रही है। उन्होंने कहा कि जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षिक सामग्री उपलब्ध कराना उनके शैक्षणिक सफर को सुगम बनाने की दिशा में एक सार्थक पहल है। गौरतलब है कि वर्ष 2014 से विश्वविद्यालय से सटे देवकली गांव में 'प्रेरणा कोचिंग' का संचालन किया जा रहा है। संचालन डॉ. इंद्रेश कुमार ने किया। इस अवसर पर प्रो. सौरभपाल. डॉ. नृपेंद्र सिंह, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. सुनील कुमार, प्रशांत कुमार, डॉ. लक्ष्मी प्रसाद मौर्य समेत कई शिक्षक उपस्थित थे।